

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी फागी जिला जयपुर

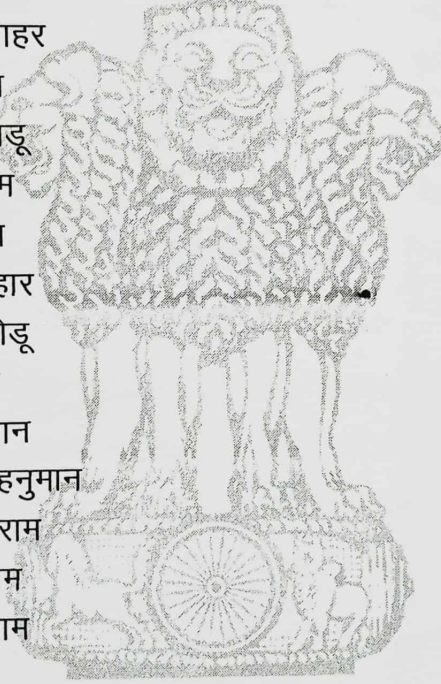
मु०न० :- 138 / 2024

निर्णय दिनांक :- 17.02.2025

पीठसीन अधिकारी :- राकेश कुमार II (आर०ए०एस०)



1. गोरधन पुत्र जुहार
2. घीसी देवी पत्नि गोपाल
3. छीतर पुत्र लाला
4. प्रताप पुत्र श्रीलाल
5. बोदू पुत्र श्रीलाल
6. रामचरण पुत्र जवाहर
7. रामधन पुत्र गोपाल
8. रामनारायण पुत्र रोडू
9. रामेश्वर पुत्र महाराम
10. शंकर पुत्र तेजाराम
11. श्योजीराम पुत्र जुहार
12. श्योनारायण पुत्र रोडू
13. श्रीराम पुत्र गोपाल
14. शिवराज पुत्र हनुमान
15. सत्यनारायण पुत्र हनुमान
16. सुशीला पत्नि भैरूराम
17. सीता पत्नि तेजाराम
18. हेमराज पुत्र तेजाराम
19. हरनाथ पुत्र रोडू



समस्त जाति जाट निवासी ग्राम पालड़ी, तहसील फागी जिला दूदू राजस्थान।

सत्यमेव जयते

प्रार्थीगण

बनाम

1. नाथू खा पुत्र वजीर खां जाति मुसलमान निवासी ग्राम सिरस्या, तहसील फागी जिला दूदू राज०।
2. लाडा देवी पत्नि बिहारीलाल जाति मीणा निवासी ग्राम लसाड़िया, तहसील फागी, जिला दूदू राज०।
3. सुवालाल पुत्र भैरू जाति कुम्हार निवासी ग्राम लसाड़िया, तहसील फागी, जिला दूदू राज०।
4. तहसीलदार, तहसील फागी जिला दूदू।

अप्रार्थीगण

लगातार.....2

उपखण्ड अधिकारी
फागी, जयपुर



गोखन वगै० बनाम नाथू खां वगै०
मु०न०:- 138/2024
निर्णय दिनांक:- 17.02.2025

(2)

उपस्थिति विद्वान अधिवक्ता :- श्री तेजाराम चौधरी वकील प्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111 एल.आर.एक्ट.
बाबत मुताबिक सीमाज्ञान पत्थरगढी सीमाज्ञान पत्थरगढी आदेश फरमाये जाने बाबत

निर्णय

दिनांक :- 17.02.2025

वाद पत्र के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि विवादग्रस्त आराजी खाता संख्या 202 के आराजी खसरा नम्बर 4322 रकबा 1.1866 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 4326 रकबा 10.7735 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 4327 रकबा 0.7334 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 4328 रकबा 0.9610 हैक्टेयर कुल कित्ता 04 कुल रकबा 13.6565 हैक्टेयर व खाता संख्या 250 के आराजी खसरा नम्बर 4586/4324 रकबा 8.1054 हैक्टेयर भूमि वाके ग्राम चौरु दक्षिण, पटवार हल्का चौरु दक्षिण, भू०अभि०नि०क्षेत्र० चौरु, तहसील फागी जिला जयपुर में स्थित है। जिसके प्रार्थीगण खातेदार काश्तकार होकर मौके पर शांतिपूर्वक काबिज काश्त है। अप्रार्थीगण, प्रार्थीगण के कब्जे काश्त की भूमि में विवाद उत्पन्न करने लगे तो प्रार्थीगण ने उक्त आराजी भूमि का विधिवत रूप से तहसीलदार महोदय फागी के आदेश क्रमांक भू०अभि०/2023/1675-1677 की पालना में दिनांक 17/05/2023 को पटवारी हल्का चौरु दक्षिण से सीमाज्ञान करवाया गया। सीमाज्ञान होने के पश्चात् भी अप्रार्थीगण उक्त सीमाज्ञान की अनदेखी करने लगे तथा पटवारी हल्का द्वारा मुताबिक राजस्व रिकार्ड एवं राजस्व नक्शों के अनुसार सीमाज्ञान दिनांक 09/06/2023 को मौके पर खातेदार व अन्य पड़ोसी खातेदारों के समक्ष सेग्रीगेशन शीट मुस्तकिल बिन्दू 4314 गै०मु० पाल व 4321 सरकारी नहर को मुस्तकिल बिन्दू मानते हुये उपरोक्त खसरा नम्बरों का सेग्रीगेशन नक्शा शीट से सीमाज्ञान कर समस्त सीमाओं का चिन्हिकरण किया गया तथा मौके पर उपस्थित खातेदारों के समक्ष पढाकर-सुनाकर हस्ताक्षर /अंगूठा निशानी करवाये गये तथा सीमाज्ञान की पालना रिपोर्ट तहसीलदार महोदय फागी को प्रस्तुत की एवं अब उक्त सीमाज्ञान के समय कायम किये गये निशानात को अप्रार्थीगण नहीं मान रहे हैं।

लगातार.....3

उपस्थित अधिकारी
फागी, जयपुर



(3)

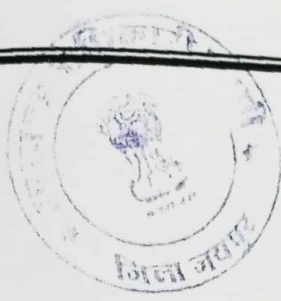
अप्रार्थीगण नहीं चाहते कि उक्त सीमाओं व मेर कोर का विवाद समाप्त हो एवं प्रार्थीगण अपनी खातेदारी भूमि पर शांतिपूर्वक काश्त कर सकें। जिस हेतु विधि अनुसार किये गये सीमाज्ञान को भी अप्रार्थीगण नहीं मानते एवं प्रार्थीगण की उपरोक्त आराजीयात के कब्जे काश्त में आये दिन मजामहत करते हैं क्योंकि मुताबिक सीमाज्ञान पत्थरगढी नहीं हो रखी है। सीमाज्ञान दिनांक 09/06/2023 एवं आदेश कमांक भू०अभि०/2023/1675-1677 दिनांक 17/05/2023 की पालना में तहसीलदार फागी के आदेश पर हुये सीमाज्ञान दिनांक 09/06/2023 को कायम किये निशानात को अप्रार्थीगण नहीं मानते तथा अप्रार्थीगण, प्रार्थीगण से आये दिन मेर-कोर को लेकर लडाई झगडा करते रहते हैं तथा पत्थरगढी नहीं होने से अप्रार्थीगण विवाद उत्पन्न करते हैं इस कारण प्रार्थीगण को यह पत्थरगढी प्रार्थना पत्र पेश करना लाजिमी हुआ है। तहसीलदार फागी के आदेशानुसार किये गये सीमाज्ञान दिनांक 09/06/2023 के अनुसार यदि प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि पर पत्थरगढी के आदेश प्रदान किये जाकर पत्थरगढी कर दी जाती है तो मौके पर उपस्थित विवाद समाप्त हो सकेगा एवं प्रार्थीगण को न्याय मिल सकेगा। श्रीमान न्यायालय को प्रकरण में पत्थरगढी के आदेश करने का क्षेत्राधिकार व श्रवणाधिकार प्राप्त है।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण की तलबी जारी की गई। अप्रार्थी सं. 1 लगायत 3 बावजूद तामिल हाजिर अदालत नहीं हुए इसलिए अप्रार्थी सं. 1 लगायत 3 के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। अप्रार्थी

बहस विद्वान अधिवक्ता एकतरफा सुनी गई। वकील प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

बहस पर मनन एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली का अवलोकन करने पर पाया कि हस्तगत प्रकरण पत्थरगढी का प्रस्तुत किया गया है। मुताबिक जमाबन्दी सम्वत 2072-2075 वाके ग्राम चौरु दक्षिण के खाता सं० 202 व

लगातार.....4
मुकदमा अधिकारी
फागी



गोरखन वगी बनाम नाथू खा वगी

मु०न०- 138/2024

निर्णय दिनांक:- 17.02.2025

(4)

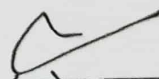
250 में प्रार्थी रिकार्डेड सहखातेदार काश्तकार है। प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में अंकन किया है कि ख०न० 4586/4324, 4322, 4326, 4327, 4328 का विधिवत सीमाज्ञान करवा लिया है उसके बावजूद भी अप्रार्थीगण आये दिन प्रार्थी की भूमि में अवैधनिक रूप से अतिक्रमण कर कब्जा करना चाहते हैं। पूर्व में उक्त विवादग्रस्त आराजी का दिनांक 09.06.2023 को सीमाज्ञान हो चुका है।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में हम प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर पक्षकारान की उपस्थिति में पुनः सीमाज्ञान कर पत्थरगढी किया जाना उचित समझते हैं।

—:आदेश :-

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विवादग्रस्त आराजी खाता संख्या 202 के आराजी खसरा नम्बर 4322 रकबा 1.1866 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 4326 रकबा 10.7735 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 4327 रकबा 0.7334 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 4328 रकबा 0.9610 हैक्टेयर कुल कित्ता 04 कुल रकबा 13.6565 हैक्टेयर व खाता संख्या 250 के आराजी खसरा नम्बर 4586/4324 रकबा 8.1054 हैक्टेयर भूमि वाके ग्राम चौरु दक्षिण तहसील फागी जिला जयपुर में स्थित आराजीयात के पडौसी सहखातेदारान को नोटिस जारी किया जाकर, पडौसी खातेदारान की उपस्थिति में पुनः सीमाज्ञान करते हुये पत्थरगढी किये जाने के आदेश तहसीलदार फागी को दिये जाते हैं। पत्थरगढी केवल सीमाचिह्न की जानकारी मात्र हेतु की जावें। कब्जे सम्बंधी विवाद हो तो सक्षम न्यायालय में सक्षम धाराओं में चाराजोही कर अनुतोष प्राप्त किया जा सकता है।

निर्णय आज दिनांक 17.02.2025 को सरे इजलास सुनाया गया।


(राकेश कुमार II)
उपस्थान्त अधिकारी
फागी जिला जयपुर